Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

क्षितिज (गद्य खंड)

अध्याय-4 : साँवले सपनों की याद (जाबिर हुसैन)

भाग - 1

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

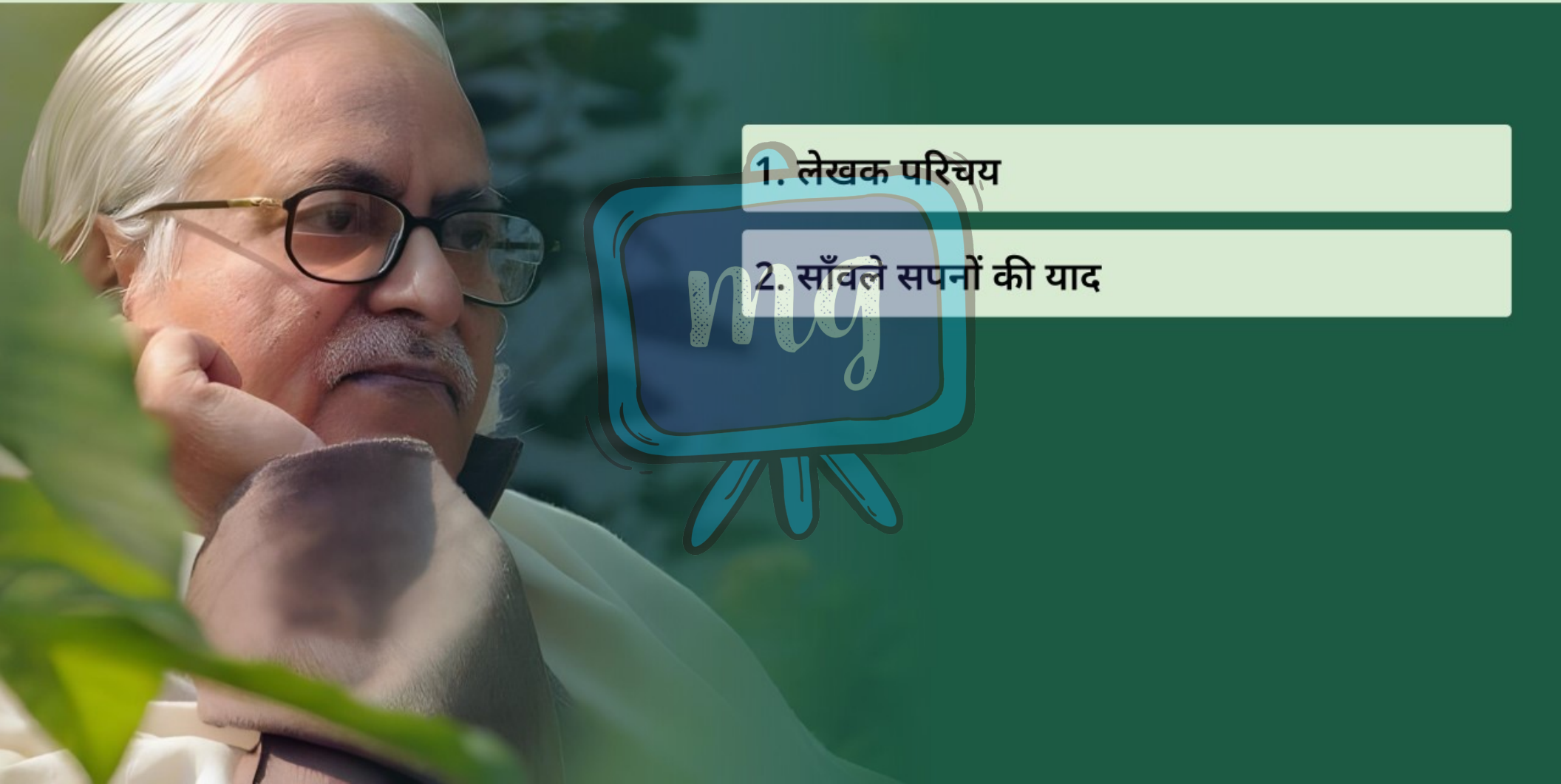

1. लेखक परिचय
2. साँवले सपनों की याद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

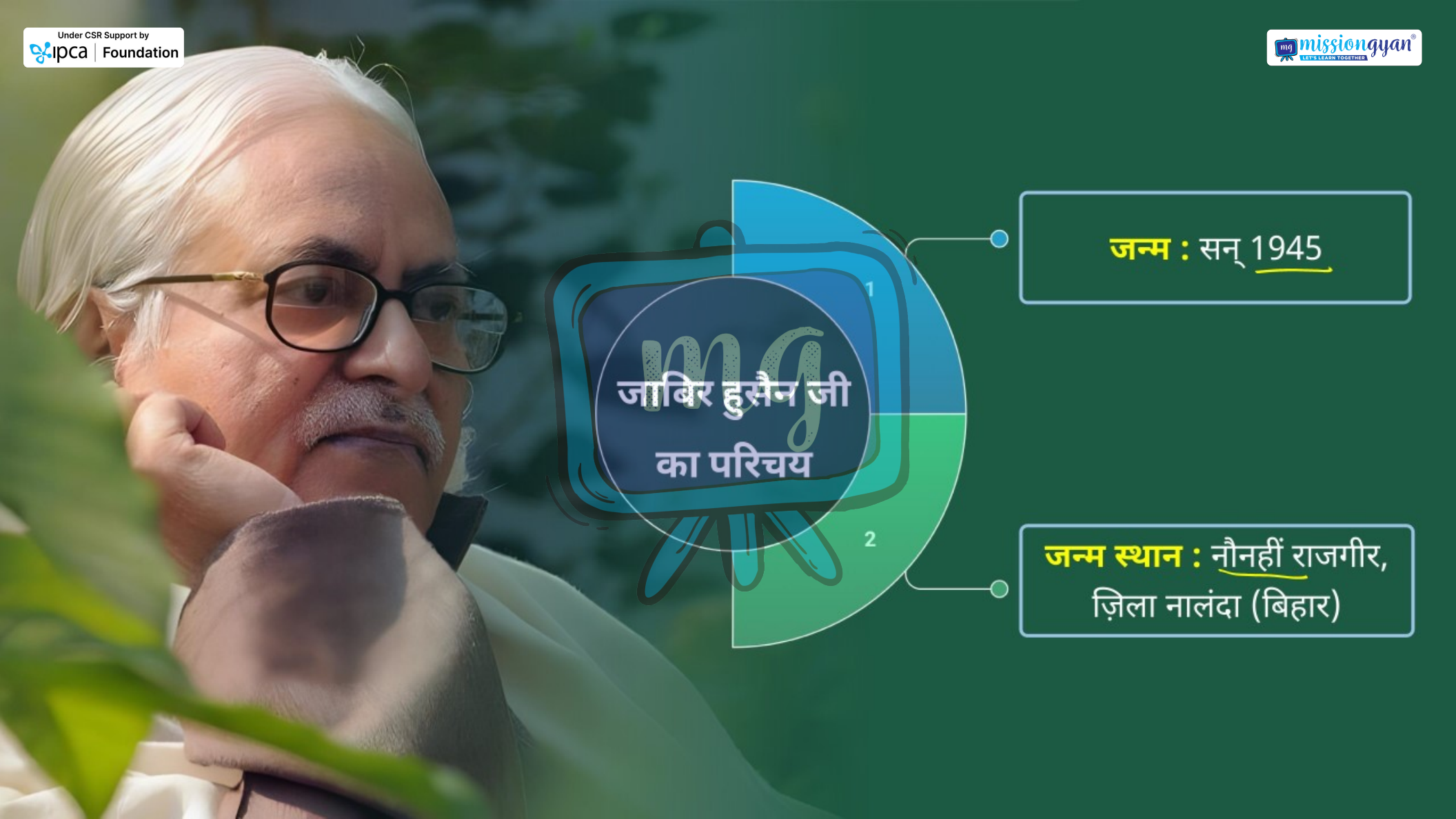

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

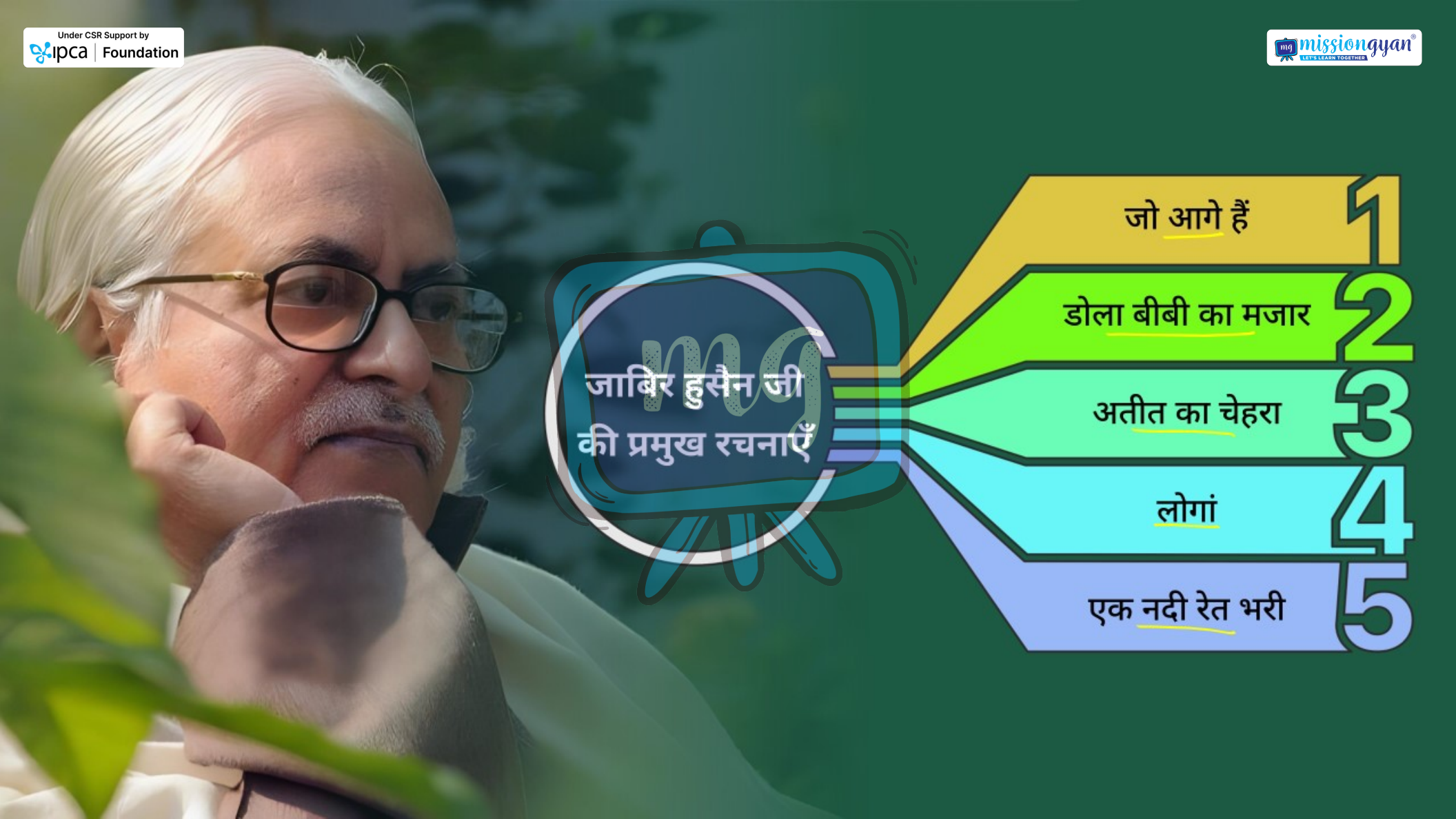

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

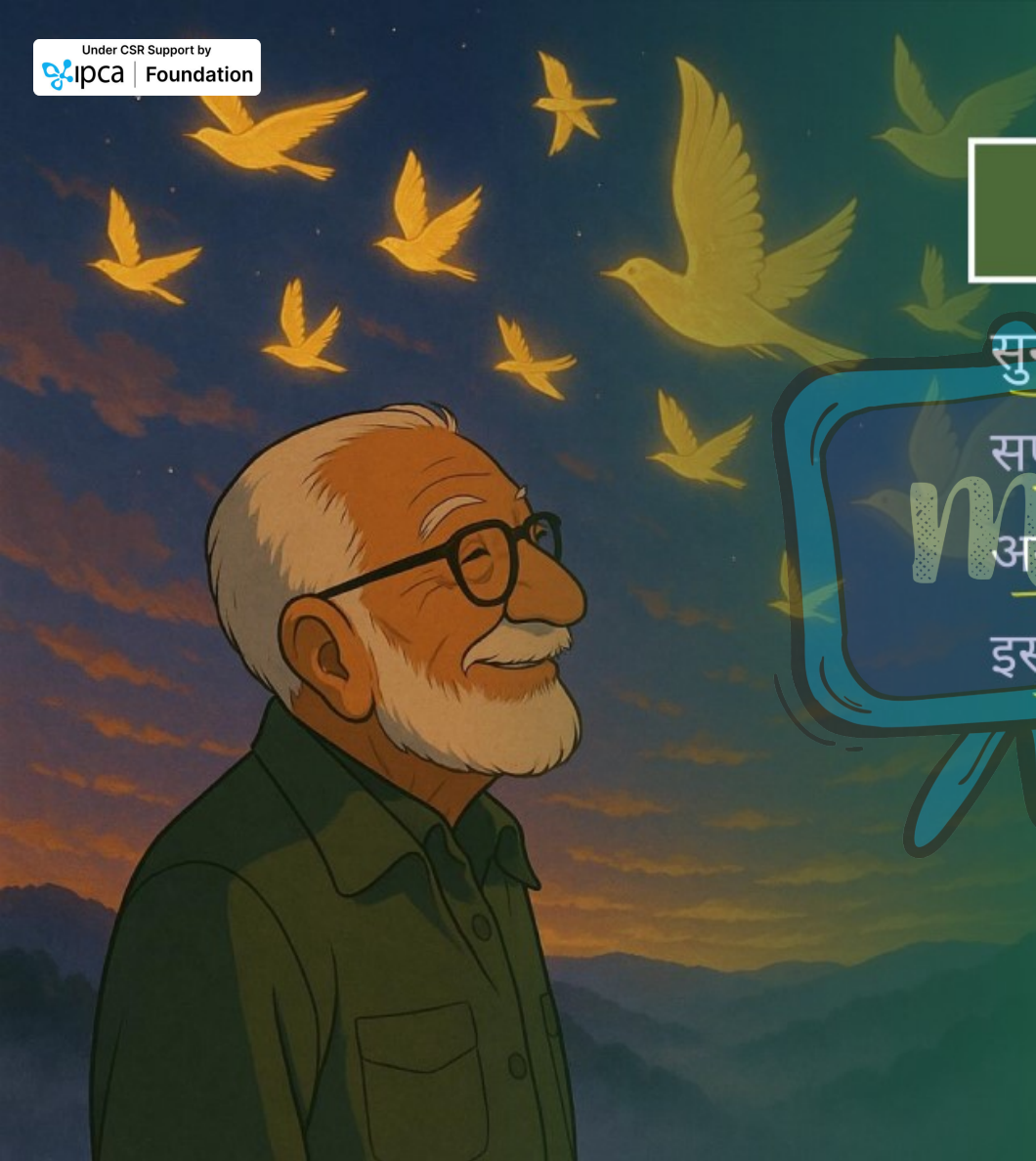

साँवले सपनों की याद

सुनहरे परिंदों के खूबसूरत पंखों पर सवार साँवले सपनों का एक हुजूम मौत की खामोश वादी की तरफ़ अग्रसर है। कोई रोक-टोक सके, कहाँ संभव है। इस हुजूम में आगे-आगे चल रहे हैं, सालिम अली।

हुजूम – जनसमूह, भीड़

वादी – घाटी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अपने कंधों पर, सैलानियों की तरह अपने अंतहीन सफ़र का बोझ उठाए। लेकिन यह सफ़र पिछले तमाम सफ़रों से भिन्न है। भीड़-भाड़ की जिंदगी और तनाव के माहौल से सालिम अली का यह आखिरी पलायन है। अब तो वो उस वन-पक्षी की तरह प्रकृति में विलीन हो रहे हैं, जो ज़िंदगी का आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो।

पलायन – दूसरी जगह चले जाना, भागना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

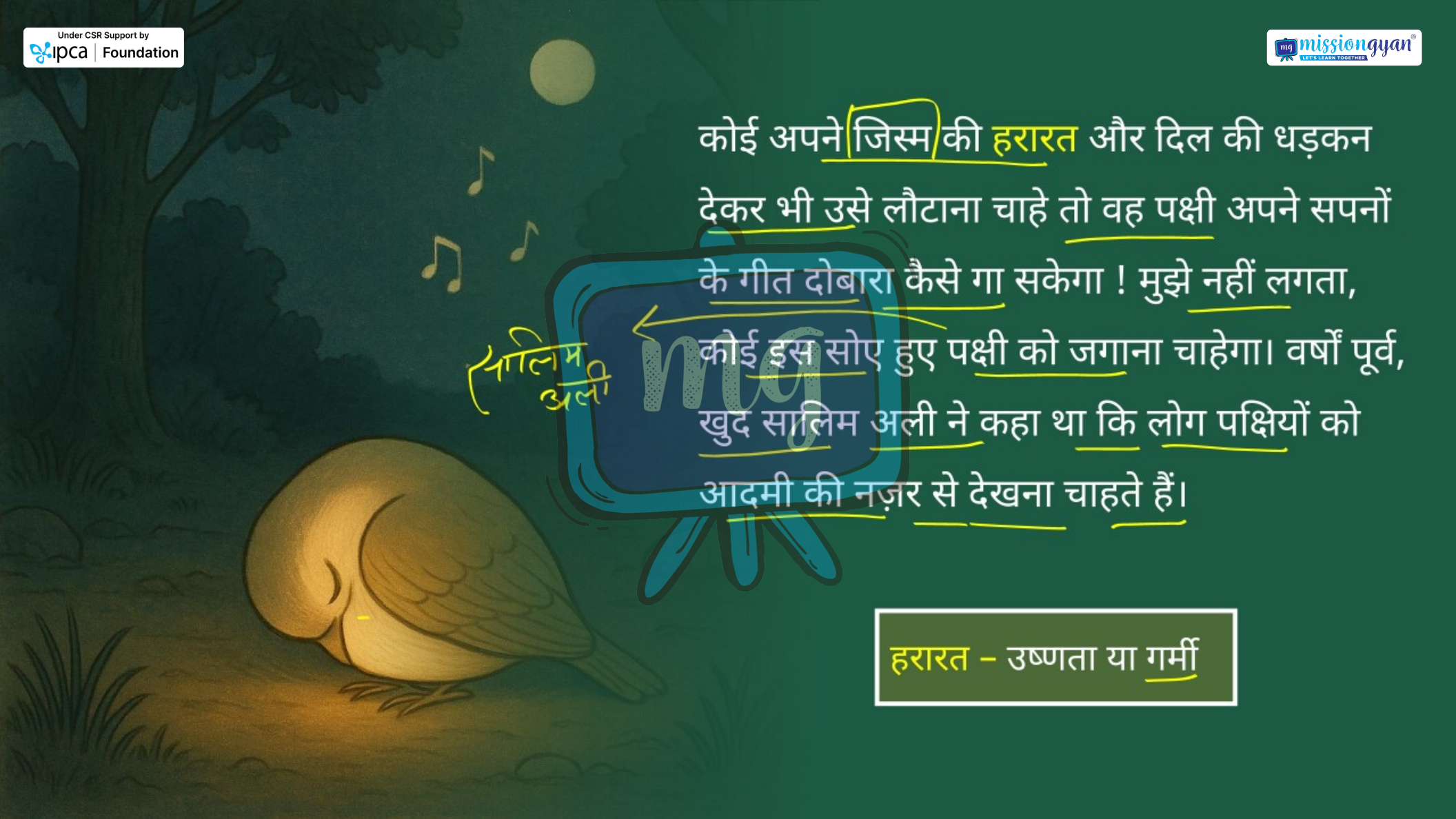

कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा ! मुझे नहीं लगता, कोई इस सोए हुए पक्षी को जगाना चाहेगा। वर्षों पूर्व, खुद सालिम अली ने कहा था कि लोग पक्षियों को आदमी की नज़र से देखना चाहते हैं।

हरारत – उष्णता या गर्मी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



यह उनकी भूल है, ठीक उसी तरह, जैसे जंगलों और पहाड़ों, झरनों और आबशारों को वो प्रकृति की नज़र से नहीं, आदमी की नज़र से देखने को उत्सुक रहते हैं। भला कोई आदमी अपने कानों से पक्षियों की आवाज़ का मधुर संगीत सुनकर अपने भीतर रोमांच का सोता फूटता महसूस कर सकता है?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



एहसास की ऐसी ही एक ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर जन्मे मिथक का नाम है, सालिम अली।

मिथक – प्राचीन पुराकथाओं का तत्व, जो नवीन स्थितियों में नए अर्थ का वहन करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पता नहीं, इतिहास में कब कृष्ण ने वृंदावन में रासलीला रची थी और शोख गोपियों को अपनी शरारतों का निशाना बनाया था। कब माखन भरे भाँड़े फोड़े थे और दूध-छाली से अपने मुँह भरे थे। कब वाटिका में, छोटे-छोटे किंतु घने पेड़ों की छाँह में विश्राम किया था। कब दिल की धड़कनों को एकदम से तेज़ करने वाले अंदाज़ में बंसी बजाई थी। और, पता नहीं, कब वृंदावन की पूरी दुनिया संगीतमय हो गई थी। पता नहीं, यह सब कब हुआ था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



लेकिन कोई आज भी वृंदावन जाए तो नदी का साँवला पानी उसे पूरे घटना-क्रम की याद दिला देगा। हर सुबह, सूरज निकलने से पहले, जब पतली गलियों से उत्साह भरी भीड़ नदी की ओर बढ़ती है, तो लगता है जैसे उस भीड़ को चीरकर अचानक कोई सामने आएगा और बंसी की आवाज़ पर सब किसी के कदम थम जाएँगे। हर शाम सूरज ढलने से पहले, जब वाटिका का माली सैलानियों को हिदायत देगा तो लगता है

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

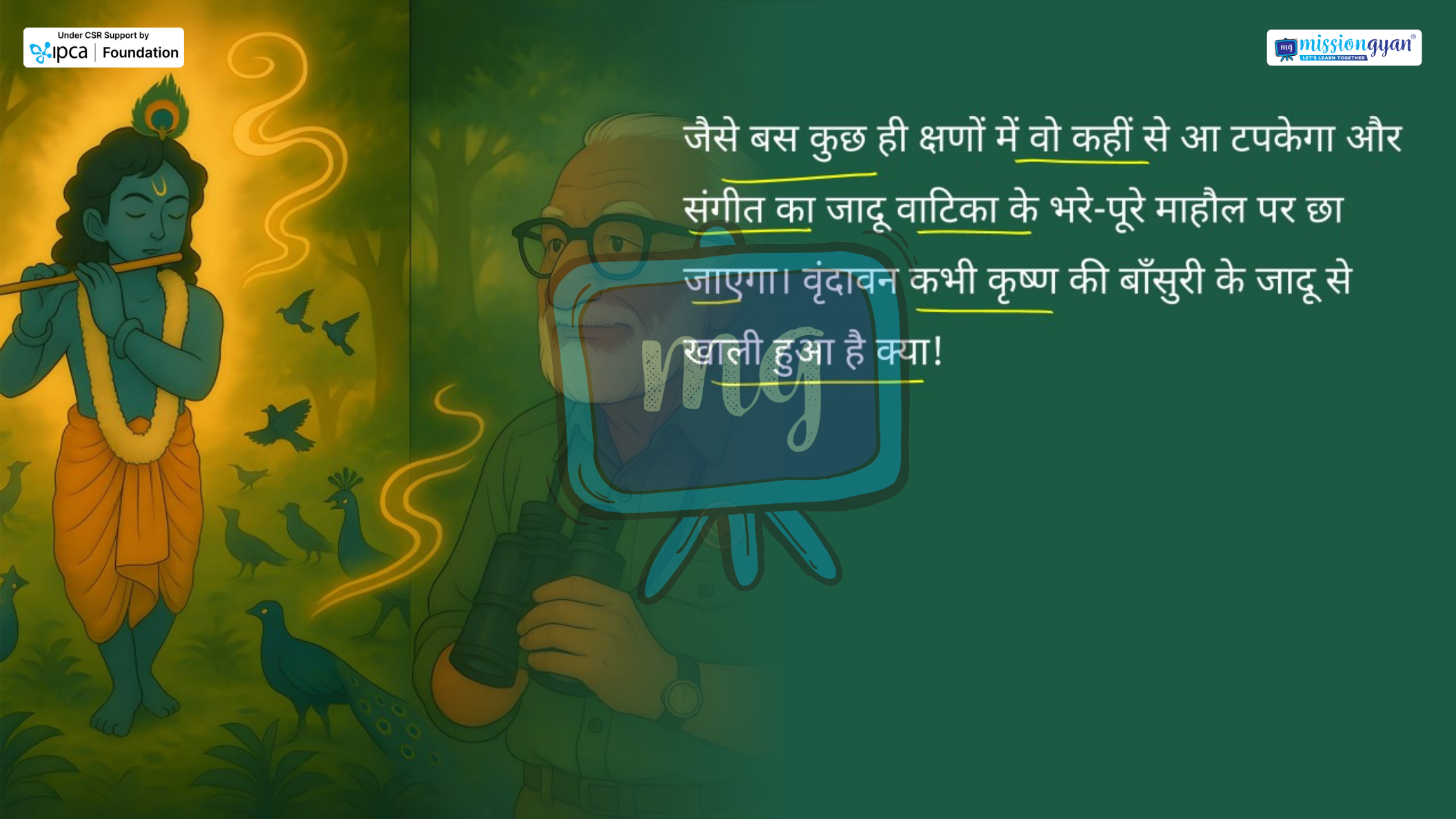

जैसे बस कुछ ही क्षणों में वो कहीं से आ टपकेगा और संगीत का जादू वाटिका के भरे-पूरे माहौल पर छा जाएगा। वृंदावन कभी कृष्ण की बाँसुरी के जादू से खाली हुआ है क्या!

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

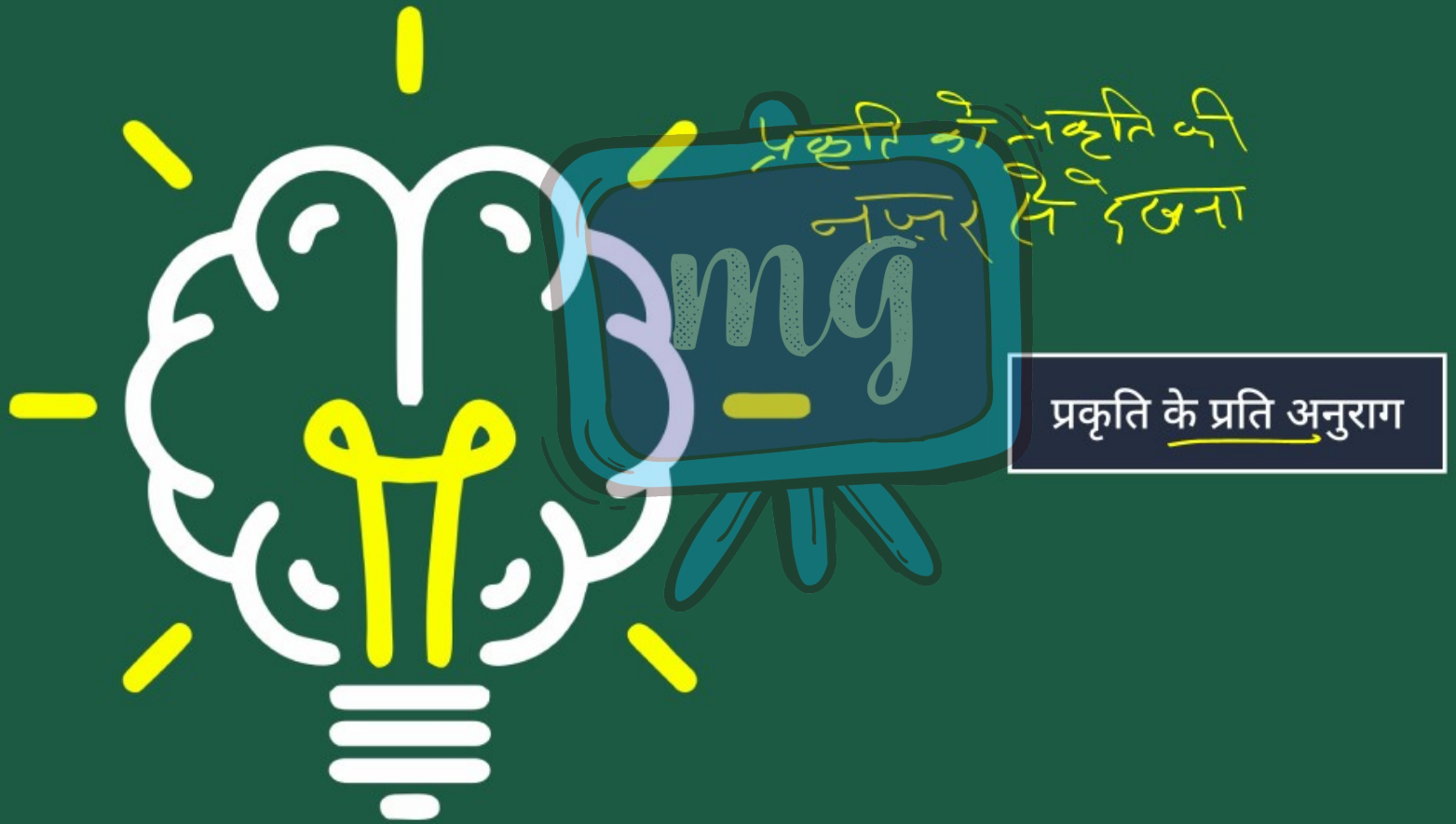

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 सालिम अली कौन थे?

अ पर्यावरण-प्रेमी

ब चित्रकार

स प्रकृति-प्रेमी

द पक्षी-प्रेमी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 जिंदगी का आखिरी गीत गाने का क्या संकेतार्थ है?

अ अंतिम कार्य करना

ब अंतिम यात्रा करना

स मर जाना

द अपने उद्देश्य को पूरा करना

मूल्यांकन (Assessment)



3 लोग प्रकृति को किस नज़र से देखते हैं?

अ सौंदर्य की नज़र से

ब उपयोग की नज़र से

स मानव-हित की नज़र से

द प्रकृति की नज़र से

मूल्यांकन (Assessment)



4 पक्षियों की मधुर आवाज़ से आदमी रोमांचित क्यों नहीं होता?

अ पक्षियों की दुनिया को न जानने के कारण

ब पक्षियों से संबंध न होने के कारण

स पक्षियों की भाषा न समझ पाने के कारण

द अपनी जड़ता के कारण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 प्रात: काल उत्साह-भरी भीड़ किसलिए उमड़ती है?

अ कृष्ण के दर्शन के लिए

ब वृंदावन की स्तुति के लिए

स कृष्ण की बाँसुरी सुनने के लिए

द वृंदावन के दर्शन के लिए